—: मुगल काल :—

"मुगल काल में शिक्षा, साहित्य, स्थापत्य तथा कला का विकास"

→ मुगल चित्रकला ⇒

1. हुमायूँ → हुमायूँ फारस से "बिहजाद" के दो शिष्यो "मीर सैयद अली" तथा "अब्दुस समद" को भारत लाया।

2. अकबर →

→ अकबर का कथन, "मै उन लोगो से नफरत करता हूँ जो चित्रकारी से नफरत करते हैं।"

→ अकबर ने "अब्दुस समद" के नेतृत्व में शाही टकसाल तथा अनुवाद विभाग की स्थापना की।

→ अकबर ने "अब्दुस समद" को "शीरी कलम" (सोने की कलम) की उपाधि दी) तथा "मोहम्मद हुसैन कश्मीरी" को "जरी कलम" की उपाधि दी।

→ 'मीर सैयद अली' के नेतृत्व में 50 चित्रकारों ने 15 वर्षों मे "दास्तान – ए – अमीर हम्जा" (हम्जनामा) का चित्रांकन किया।

→ इसमे कपड़े पर 1200 से अधिक चित्र बने हैं।

→ अकबर काल का अग्रणी चित्रकार "दसवंत" था।
दसवंत ने "रज्मनामा" (महाभारत का फारसी अनुवाद) के चित्र बनाए।

→ अकबर के काल का सर्वश्रेष्ठ चित्रकार "बसावन" था।
बसावन ने "मजनूँ" का चित्र बनाया।

→ अकबर काल के अन्य प्रमुख चित्रकार →
(1) महेश
(2) केशव

HCChaudhary -Mobile Apps

Scanned by CamScanner

मुकुंद
(3)
सावलदास
(4)
फर्रुख बेग
(5)
अकीरजा
(6)
जमशेद
(7)

3. जहाँगीर →

→ जहाँगीर चित्रकला का बड़ा पारखी था।

→ जहाँगीर कालीन सर्वश्रेष्ठ चित्रकार → उस्ताद मंसूर

→ मंसूर पशु-पक्षी के चित्रों का विशेषज्ञ था।

→ प्रमुख चित्र
- → बाज
- → साइबेरियन सारस
- → बंगाल का अनोखा पुष्प

→ जहाँगीर कालीन अग्रणी चित्रकार → बिसनदास

→ जहाँगीर के समय 'अबुल हसन' "वैयक्तिक चित्रों" का विशेषज्ञ था

→ अबुल हसन ने जहाँगीर के सिंघासनारोहण का चित्र बनाया जो "तुजुक-ए-जहाँगीरी" के मुख्य पृष्ठ पे लगा हुआ है।

→ जहाँगीर ने 'अबुल हसन' को "नादिर-उल-जमा" की उपाधि दी तथा 'मंसूर' को "नादिर-उल-असरार (असत्र)" की उपाधि दी

→ मंसूर तथा हसन ने "चिनार के पेड़ पर असंख्य गिलहरियो" का चित्र बनाया।

→ हेरात के अकीरजा ने आगरा मे चित्रशाला की स्थापना की।

→ जहाँगीर ने बिसनदास को फारस के दरबार मे भेजा।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

→ अकबर के समय भित्ति चित्रों की शुरुआत हुई।

→ जहाँगीर के समय छवि चित्रों तथा पशु-पक्षियों के चित्रों की शुरुआत हुई।

→ चित्रकार नूरुद्दीन ने मेवाड़ शैली में "कलिला दमना" (पंचतंत्र का फारसी अनुवाद) के चित्र बनाए।

→ निसारुद्दीन ने मेवाड़ शैली के "रागमाला सेट" तैयार किया।

→ आमेर शैली मुगल चित्रकला से सर्वाधिक प्रभावित थी।

→ आमेर में अकबर के लिए 'रज्मनामा' (महाभारत का फारसी अनुवाद) के चित्र बने।

⇒ मुगल संगीत ⇒

→ "आईने-अकबरी" के अनुसार अकबर ने 36 गायकों को आश्रय दिया जिनमें तानसेन तथा बाज बहादुर मुख्य थे।

1. तानसेन →
- नाम → रामतनु पांडे / तन्ना मिश्र
- तानसेन अकबर से पूर्व रीवा के राजा रामचंद्र का दरबारी था।
- तानसेन "ध्रुपद शैली" का गायक था। (ध्रुवपद शैली)
- मकबरा → ग्वालियर
- अकबर ने तानसेन को "कंठाभरण वाणी विलास" की उपाधि दी।

2. बाज बहादुर (मालवा नरेश) →
- बाज बहादुर तथा इनकी पत्नी "रानी रूपमति" ध्रुपद गायक थे।

ध्रुवपद

Scanned by CamScanner

3. बेजू बावरा →
- यह ग्वालियर के राजा मानसिंह तोमर का दरबारी था।
- मानसिंह तोमर ने "मान कुतूहल" की रचना की।
- तानसेन तथा बेजू बावरा के गुरु "स्वामी हरिदास" 'डीग' (भरतपुर) के संत थे।

→ जहाँगीर का प्रमुख दरबारी संगीतकार 'विलास खाँ' तथा 'शौकी खाँ' थे।

→ जहांगीर ने 'शौकी खाँ' को "आनन्द खाँ" की उपाधि दी।

→ शाहजहाँ ने 'लाल खाँ' को "गुणसमुद्र" की उपाधि दी।

→ औरंगजेब ने चित्रकला तथा संगीत पर रोक लगाई।

→ औरंगजेब के समय संगीत प्रेमियो ने तबले तथा तानपुरे का जनाजा निकाला।

→ संगीत पर सर्वाधिक ग्रंथो की रचना औरंगजेब के समय हुई।

⇒ मुगल साहित्य ⇒

1. तुजुक - ए - बाबरी →
→ तुर्की में बाबर द्वारा रचित आत्मकथा
→ इसमें बाबर ने 05 मुस्लिम तथा 02 हिन्दु राजा (सांगा तथा कृष्ण देव राय) का वर्णन किया।

2. तारीख - ए - रशीदी → मिर्जा हैदर दोगलत

(इसकी शकल हुमायूँ जैसी थी।)

Scanned by CamScanner

3. हुमायूँ नामा → गुलबदन बेगम (हुमायूँ की बहन)

4. आईने अकबरी → अबुल फजल (नागौर)

5. मुंतखब - उत - तवारीख → बदायूँनी

6. फतूहात - ए - आलमगीरी → ईश्वर दास नागर
(आलमगीरी = औरंगजेब)

7. मज्म़ - उल - बहरीन → दारा शिकोह

8. तजकिरात - उल - वाकयात → जौहर आफतावची

9. मुंतखब - उल - लुबाब → खाफी खाँ

10. आलमगीरनामा → मोहम्मद काजिम

11. रज्मनामा का अनुवाद → नकीब खाँ
→ अब्दुल कादिर
→ बदायूँनी

12. नुश्खा - ए - दिलखुशा → भीमसेन

13. तबकात - ए - अकबरी → निजामुद्दीन अहमद

14. चहार चमन → चंद्रभान

15. इकबालनामा - ए - जहाँगीरी → मौतमिद खाँ

16. रामचंद्रिक , सरिक प्रिया → केशवदास

17. पादशाहनामा → अब्दुल हमीद लाहौरी
- यह शाहजहाँ का राष्ट्रीय इतिहासकार था।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

18. मआसिरे आलमगीरी → मोहम्मद शाकी
→ औरंगजेब काल की इस पुस्तक को जदुनाथ सरकार ने मुगल राज्य का 'गजेटियर' (राजपत्र जिसमे शासन की जानकारी हो) कहा है।

19. अल्लोपनिषद → फैजी

20. कविप्रिया → केशवदास
→ इसे कठिन काव्य का प्रेत कहते हैं।

21. मुकुंदराम →
→ प्रो. कोवेल ने इसे "बंगाल का साहित्यिक केकड़ा" कहा।

22. अनुवार - ए - सुहली →
→ अबुल फजल द्वारा पंचतंत्र का फारसी अनुवाद।

23. फतवा - ए - आलमगीरी →
→ औरंगजेब के आदेश पर लिखी गई एकमात्र पुस्तक।
→ मुस्लिम कानून का ग्रंथ

⇒ मुगलकालीन शिक्षा ⇒
→ प्राथमिक शिक्षा के केन्द्रो को 'मकतब' तथा उच्च शिक्षा के केन्द्रो को 'मदरसा' कहा जाता था।

→ फ़ाजिल → तर्क तथा दर्शन की उपाधि
आमिल → धार्मिक उपाधि
काबिल → साहित्यिक शिक्षा की उपाधि

→ हिन्दु शिक्षा का सबसे बड़ा केन्द्र → वाराणसी

→ 'अकबर' अनपढ़ था तथा 'दारा शिकोह' सर्वाधिक पढा लिखा मुगल था

→ हुमायूँ युद्ध स्थल पर भी भूगोल की पुस्तके ले जाता था।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

→ मुगल कालीन विदुषियां →

1. गुलबदन बेगम → हुमायूँ की बहन
2. जहाँआरा
   ↳ शाहजहाँ की पुत्री
   ↳ सर्वाधिक पढ़ी लिखी
3. जेबुनिसा
   ↳ औरंगजेब की बेटी
   ↳ जेबुनिसा ने दिल्ली में "बैतूल - उल - उलूम" विद्यालय की स्थापना की।

→ हुमायूँ तथा माहम मनगा ने दिल्ली के पुराने किले में "खैर - उल - मंजिल" (मदरसा - ए - बेगम) विद्यालय की स्थापना की।

→ मुगल काल की राजकीय भाषा → फारसी

→ मुगल काल की लिपियाँ →
1. नस्तालिक
2. शिकस्त

- अकबर को नस्तालिक लिपि सर्वाधिक पसंद थी।
- औरंगजेब नस्तालिक व शिकस्त दोनो में निपुर्ण था।

→ मुगल काल हिन्दी साहित्य का उत्कृष्ट काल कहलाता है।

→ अकबर काल के प्रमुख कवि -
1. मल्लिक मोहम्मद जायसी → पदमावत
2. रहीम
3. तुलसीदास → रामचरित मानस
4. बीरबल → अकबर ने बीरबल को "कविप्रिय" की उपाधि दी।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

Page No.:
Date:

⇒ मुगल कालीन स्थापत्य ⇒

→ मुगलकाल को भारतीय इतिहास का "द्वितीय कलासिकल" युग कहा जाता है।

→ मुगल काल मे पहली बार "पैत्राड्यूरा तथा चारबाग शैली" का प्रयोग हुआ।

→ प्रमुख ईमारते →

1. नूरअफगान / आरामबाग → आगरा मे स्थित
   → बाबर ने बनवाया।

2. दीन पनाह नगर → दिल्ली
   → हुमायूँ

3. शेरगढ / खूनी दरवाजा → दिल्ली
   → शेरशाह सूरी

4. किला – ए – कुहना → दिल्ली
   → शेरशाह सूरी

5. शेरशाह का मकबरा → सासाराम (बिहार)
   → शेरशाह सूरी

- यह चारो ओर पानी से घिरा हुआ है।
- कनिंघम ने इसे ताजमहल से सुंदर बताया।

6. हुमायूँ का मकबरा → दिल्ली
   → हाजी बेगम

- इसे ताजमहल का पूर्वगामी कहते है।
- यह विश्व धरोहर मे शामिल है।
- यह चार बाग पद्धति तथा दोहरी गुम्बद वाला पहला मकबरा है।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

7. आगरा का किला
इलाहबाद का किला → अकबर (Trick – आइला)
लाहौर का किला

8. अकबर का मकबरा → सिकन्दराबाद (आगरा)
→ जहाँगीर
- यह बौद्ध शैली से प्रभावित एकमात्र मकबरा है।
- यह एकमात्र मकबरा है जो गुम्बद विहीन है।

9. एतमाउद्दौला का मकबरा → आगरा
→ नूरजहाँ
- एतमाउद्दौला (गियास बेग) नूरजहाँ का पिता था।
- यह भारत का पहला पूर्णतया संगमरमर वाला मकबरा है।
- इसमे पहली बार "पैत्राड्यूरा कला" का प्रयोग हुआ।

10. जहाँगीर का मकबरा → शाहदरा (लाहौर)
→ नूरजहाँ

11. औरंगजेब का मकबरा → खुल्दाबाद (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)
→ स्वयं औरंगजेब ने अपना मकबरा बनवाया।

12. रबिया बीबी का मकबरा / बीबी का मकबरा → औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
→ औरंगजेब
- इसे "दक्षिण का ताजमहल / काला ताजमहल / ताजमहल की फूहड़ नकल" कहा जाता है।

13. मोती मस्जिद → आगरा
→ शाहजहाँ

HC Choudhary - Mobile App

Scanned by CamScanner

14. मोती मस्जिद → लाल किला (दिल्ली)
↳ औरंगजेब
- पूर्णतया संगमरमर से निर्मित

15. जामा मस्जिद → दिल्ली
↳ शाहजहाँ

16. फतेहपुर सीकरी → आगरा
↳ अकबर
- शिल्पकार → बहाउद्दीन
- यह चापाकार शैली (इस्लामी शैली) तथा धारणिक शैली (हिन्दू शैली) का समन्वय है।
- V. Smith ने फतेहपुर सीकरी को पत्थर मे ढाला गया Romance बताया है।
- अबुल फजल का कथन, " उसने (अकबर) महान ईमारतो की योजना बनाई तथा मस्तिष्क व हृदय की रचना को पत्थर व मिट्टी की पोशाक पहनाई।"
- फतेहपुर सीकरी की प्रमुख इमारते —
1. जोधाबाई का महल
2. तुर्की सुल्ताना का महल →
- पर्सी ब्राउन ने इसे मुगल स्थापत्य का रत्न कहा है।
3. जामा मस्जिद →
- इसे अकबर की सर्वश्रेष्ठ ईमारत माना जाता है।
4. बुलन्द दरवाजा →
- यह भारत का सबसे ऊँचा (176 Ft) दरवाजा है।
- अकबर ने गुजरात विजय की स्मृति मे बुलंद दरवाजा बनवाया।

Scanned by CamScanner

17. ताजमहल → आगरा (यमुना नदी के किनारे)
→ शाहजहाँ

- नक्शाकार → अहमद खाँ लाहौरी
- शिल्पकार → उस्ताद ईसा खाँ (वेनिस-इटली का था)
- ताजमहल आमेर के कछवाह वंश की जमीन पर निर्मित है।
- इसमें मकराना का संगमरमर लगा है।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner